लखनऊ देश का आठवां 'मैग्नेट' सिटी बनेगा

लखनऊ, विशेष संवाददाता। योगी सरकार लखनऊ को मैग्नेट सिटी के रूप में विकसित करेगी। इससे पूरे प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों को काफी मदद मिलेगी। अब प्रदेश सरकार का पूरा फोकस लखनऊ को देश के मैग्नेट शहरों की कतार में लाकर खड़ा करने पर है। अभी देश के सात शहर मैग्नेट सिटी के रूप में जाने जाते हैं। इनमें दिल्ली-एनसीआर, कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई, हैदराबाद, अहमदाबाद और बेंगलुरु शामिल हैं। योगी सरकार की ओर से अगले पांच साल को 20 क्वार्टर पीरियड में बांटकर इस पूरे प्लान को अमली जामा पहनाने पर फोकस है।

पांच शहर बनेंगे आईटी सेक्टर के बड़े केंद्र: प्रदेश को अगले पांच साल में वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लिए यूपी के पांच शहरों का पूरी तरह से कायाकल्प होने जा रहा है। लखनऊ, कानपुर, गौतमबुद्धनगर, वाराणसी और प्रयागराज को आईटी और आईटीईएस सेक्टर के बड़े हब के रूप में डेवलप करने के लिए सरकार के पास पूरी रणनीति तैयार है।

अयोध्या में ग्राउंड ब्रेकिंग के लिए 79 इकाइयां तैयार

लखनऊ/अयोध्या। वैश्विक निवेशक सम्मेलन के सफल आयोजन के बाद अब ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए निवेशकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अयोध्या में 79 निवेश इकाइयों में काम या तो शुरू हो चुका हैं या शुरू होने को है।

उपायुक्त उद्योग अमरेश कुमार पाण्डेय बताते हैं कि जिले में उद्यमियों ने ₹141497.53 करोड़ के प्रोजेक्ट के कार्य प्रारम्भ होने की स्थिति में पहुँच चुके हैं। इन्वेस्टमेंट इंप्लीमेंटेशन यूनिट और कॉल सेन्टर का गठन किया गया। इसी का परिणाम है की जिले में ₹2580.37 करोड़ से अधिक के निवेश के कार्य हेतु ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए तय मानक पूरे कर लिए गए हैं।